Mat

Chapter 13

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	Ἐν	τῇ	ἡμέρᾳ	ἐκείνῃ,	ἐξελθὼν	ὁ	Ἰησοῦς	τῆς	οἰκίας,	ἐκάθητο	παρὰ
	-मेइन	-	दिन-मेइन	उस	निकलकर	-	इ□सोउस	-के	घर-से	बैथअ	-के-पअस
	G1722	G3588	G2250	G1565	G1831	G3588	G2424	G3588	G3614	G2521	G3844

τὴν	θάλασσαν.
-	समुद्र-के
G3588	G2281

> उसी दिन यीशु उस घर को छोड़ कर झील के किनारे उपदेश देने जा बैठा।

2	καὶ	συνήχθησαν	πρὸς	αὐτὸν	ὄχλοι	πολλοί,	ὥστε	αὐτὸν	εἰς	πλοῖον
	और	इकतथे-हुए	-के-पअस	उस्के	भेएद	बहुत	इतन-कि	वह	-मेइन	नअव-मेइन
	G2532	G4863	G4314	G0846	G3793	G4183	G5620	G0846	G1519	G4143

ἐμβάντα	καθῆσθαι,	καὶ	πᾶς	ὁ	ὄχλος	ἐπὶ	τὸν	αἰγιαλὸν	εἱστήκει.
चध-कर	बैथअ	और	सअरेए	-	भेएद	-पर	-के	किनरे-पर	खदेए-थेए
G1684	G2521	G2532	G3956	G3588	G3793	G1909	G3588	G0123	G2476

> बहुत से लोग उसके चारों तरफ इकट्ठे हो गये। सो वह एक नाव पर चढ़ कर बैठ गया। और भीड़ किनारे पर खड़ी रही।

3	καὶ	ἐλάλησεν	αὐτοῖς	πολλὰ	ἐν	παραβολαῖς,	λέγων,	Ἰδοὺ,	ἐξῆλθεν	ὁ
	और	कह	उनसे	बहुत-कुछ	-मेइन	द्रिशतन्तोन-मेइन	केहते-हुए	देखो	निकल	-
	G2532	G2980	G0846	G4183	G1722	G3850	G3004	G3708	G1831	G3588

σπείρων	τοῦ	σπείρειν.
बोने-वअलअ	-के-लिये	बोने
G4687	G3588	G4687

> उसने उन्हें दृष्टान्तों का सहारा लेते हुए बहुत सी बातें बतायीं। उसने कहा, “एक किसान बीज बोने निकला।

4	καὶ	ἐν	τῷ	σπείρειν	αὐτὸν,	ἃ	μὲν	ἔπεσεν	παρὰ	τὴν	ὁδόν,	καὶ
	और	-मेइन	-	बोते-हुए	उस्के	कुछ	तो	गिरअ	-के-पअस	-	रअस्ते-के	और
	G2532	G1722	G3588	G4687	G0846	G3739	G3303	G4098	G3844	G3588	G3598	G2532

ἐλθόντα	τὰ	πετεινὰ	κατέφαγεν	αὐτά.
अअकर	-	पकशियोन-ने	खअ-लियअ	उनहे
G2064	G3588	G4071	G2719	G0846

> जब वह बुवाई कर रहा था तो कुछ बीज राह के किनारे जा पड़े। चिड़ियाएँ आयीं और उन्हें चुग गयीं।

5	ἄλλα	δὲ	ἔπεσεν	ἐπὶ	τὰ	πετρώδη,	ὅπου	οὐκ	εἶχεν	γῆν	πολλήν,
	दोओस्रे	और	गिरे	-पर	-	पतथरेएलेए-जगह-पर	जहअन	नहिन	थेए	मित्ति	बहुत
	G0243	G1161	G4098	G1909	G3588	G4075	G3699	G3756	G2192	G1093	G4183

καὶ	εὐθέως	ἐξανέτειλεν,	διὰ	τὸ	μὴ	ἔχειν	βάθος	γῆς;
और	तुरन्त	उगे	-के-कअरन	-	नहिन	होने-के	गह्रएए	मित्ति-कि
G2532	G2112	G1816	G1223	G3588	G3361	G2192	G0899	G1093

> थोड़े बीज चट्टानी धरती पर जा गिरे। वहाँ मिट्टी बहुत उथली थी। बीज तुरंत उगे, क्योंकि वहाँ मिट्टी तो गहरी थी नहीं;

6	ἡλίου	δὲ	ἀνατείλαντος,	ἐκαυματίσθη,	καὶ	διὰ	τὸ	μὴ	ἔχειν	ῥίζαν,
	सोओरज	और	निकलने-पर	झल-गये	और	-के-कअरन	-	नहिन	होने-के	जद
	G2246	G1161	G0393	G2739	G2532	G1223	G3588	G3361	G2192	G4491
	ἐξηράνθη.									
	सोओख-गये									
	G3583									

> इसलिये जब सूरज चढ़ा तो वे पौधे झुलस गये। और क्योंकि उन्होंने ज्यादा जड़ें तो पकड़ी नहीं थीं इसलिये वे सूख कर गिर गये।

7	ἄλλα	δὲ	ἔπεσεν	ἐπὶ	τὰς	ἀκάνθας,	καὶ	ἀνέβησαν	αἱ	ἄκανθαι,	καὶ
	दोओस्रे	और	गिरे	-पर	-के	कअन्तोन-पर	और	बधे	-	कअन्ते	और
	G0243	G1161	G4098	G1909	G3588	G0173	G2532	G0305	G3588	G0173	G2532
	ἔπνιξαν	αὐτά.									
	दबअ-दियअ	उनहे									
	G4155	G0846									

> बीजों का एक हिस्सा कँटीली झाड़ियों में जा गिरा, झाड़ियाँ बड़ी हुईं, और उन्होंने उन पौधों को दबोच लिया।

8	ἄλλα	δὲ	ἔπεσεν	ἐπὶ	τὴν	γῆν	τὴν	καλὴν,	καὶ	ἐδίδου	καρπόν,	ὃ
	दोओस्रे	और	गिरे	-पर	-	भुमि-पर	-	अछेए	और	देतअ-थअ	फल	कोएए
	G0243	G1161	G4098	G1909	G3588	G1093	G3588	G2570	G2532	G1325	G2590	G3739
	μὲν	ἑκατὸν,	ὃ	δὲ	ἑξήκοντα,	ὃ	δὲ	τριάκοντα.				
	तो	सौ	कोएए	और	सअथ	कोएए	और	तेएस				
	G3303	G1540	G3739	G1161	G1835	G3739	G1161	G5144				

> पर थोड़े बीज जो अच्छी धरती पर गिरे थे, अच्छी फसल देने लगे। फसल, जितना बोया गया था, उससे कोई तीस गुना, साठ गुना या सौ गुना से भी ज़्यादा हुई।

9	ὁ	ἔχων	ὦτα,	ἀκουέτω.
	-	जो-रखत-है	कअन	सुने
	G3588	G2192	G3775	G0191

> जो सुन सकता है, वह सुन ले।”

10	Καὶ	προσελθόντες,	οἱ	μαθηταὶ	εἶπαν	αὐτῷ,	Διὰ	τί	ἐν	παραβολαῖς
	और	अअकर	-	चेलोन-ने	कह	उसे	क्यअ-कअरन	क्यअ	-मेइन	द्रिशतन्तोन-मेइन
	G2532	G4334	G3588	G3101	G3004	G0846	G1223	G5101	G1722	G3850
	λαλεῖς	αὐτοῖς?								
	बोलत-है	उनसे								
	G2980	G0846								

> फिर यीशु के शिष्यों ने उसके पास जाकर उससे पूछा, “तू उनसे बातें करते हुए दृष्टान्त कथाओं का प्रयोग क्यों करता है?”

11	ὁ	δὲ	ἀποκριθεὶς,	εἶπεν	‹αὐτοῖς›,	ὅτι	Ὑμῖν	δέδοται	γνῶναι	τὰ
	-	और	उत्तर-देकर	कह	उनसे	कि	तुमहे	दिय-गय-है	जअन्नअ	-को
	G3588	G1161	G0611	G3004	G0846	G3754	G4771	G1325	G1097	G3588
	μυστήρια	τῆς	βασιλείας	τῶν	οὐρανῶν,	ἐκείνοις	δὲ	οὐ	δέδοται.	
	भेदोन-को	-के	रअजय-के	-के	स्वरगोन-के	उनहे	परन्तु	नहिन	दिय-गय-है	
	G3466	G3588	G0932	G3588	G3772	G1565	G1161	G3756	G1325	

> उत्तर में उसने उनसे कहा, “स्वर्ग के राज्य के भेदों को जानने का अधिकार सिर्फ तुम्हें दिया गया है, उन्हें नहीं।

12	ὅστις	γὰρ	ἔχει,	δοθήσεται	αὐτῷ,	καὶ	περισσευθήσεται;	ὅστις	δὲ	οὐκ
	जो-कोएए	क्योनकि	रखत-है	दिय-जअयेगअ	उसे	और	बधकर-होगअ	जो-कोएए	और	नहिन
	G3748	G1063	G2192	G1325	G0846	G2532	G4052	G3748	G1161	G3756

ἔχει,	καὶ	ὃ	ἔχει	ἀρθήσεται	ἀπ’	αὐτοῦ.
रखत	और	जो	रखत-है	ले-लिय-जअयेगअ	-से	उस्से
G2192	G2532	G3739	G2192	G0142	G0575	G0846

> क्योंकि जिसके पास थोड़ा बहुत है, उसे और भी दिया जायेगा और उसके पास बहुत अधिक हो जायेगा। किन्तु जिसके पास कुछ भी नहीं है, उससे जितना सा उसके पास है, वह भी छीन लिया जायेगा।

13	διὰ	τοῦτο,	ἐν	παραβολαῖς	αὐτοῖς	λαλῶ,	ὅτι	βλέποντες,	οὐ
	इस-कअरन	इस	-मेइन	द्रिशतन्तोन-मेइन	उनसे	बोलत-होओन	कि	देखते-हुए	नहिन
	G1223	G3778	G1722	G3850	G0846	G2980	G3754	G0991	G3756

βλέπουσιν;	καὶ	ἀκούοντες,	οὐκ	ἀκούουσιν,	οὐδὲ	συνίουσιν.
देखते	और	सुन्ते-हुए	नहिन	सुन्ते	न	समझते
G0991	G2532	G0191	G3756	G0191	G3761	G4920

> इसलिये मैं उनसे दृष्टान्त कथाओं का प्रयोग करते हुए बात करता हूँ। क्योंकि यद्यपि वे देखते हैं, पर वास्तव में उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता, वे यद्यपि सुनते हैं पर वास्तव में न वे सुनते हैं, न समझते हैं।

14	καὶ	ἀναπληροῦται	αὐτοῖς	ἡ	προφητεία	Ἠσαΐου,	ἡ	λέγουσα,	Ἀκοῇ
	और	पोओरि-होतेए-है	उन-पर	-	भविश्यवअनि	□सैअस-कि	-	केहति-हुइ	सुन्ने-से
	G2532	G0378	G0846	G3588	G4394	G2268	G3588	G3004	G0189

ἀκούσετε,	καὶ	οὐ	μὴ	συνῆτε;	καὶ	βλέποντες	βλέψετε,	καὶ	οὐ	μὴ	ἴδητε,
सुनोगे	और	नहिन	हरगिज़	समझोगे	और	देखते-हुए	देखोगे	और	नहिन	हरगिज़	देखोगे
G0191	G2532	G3756	G3361	G4920	G2532	G0991	G0991	G2532	G3756	G3361	G3708

> इस प्रकार उन पर यशायाह की यह भविष्यवाणी खरी उतरती है: ‘तुम सुनोगे और सुनते ही रहोगे पर तुम्हारी समझ में कुछ भी न आयेगा, तुम बस देखते ही रहोगे पर तुम्हें कुछ भी न सूझ पायेगा।

15	ἐπαχύνθη	γὰρ	ἡ	καρδία	τοῦ	λαοῦ	τούτου,	καὶ	τοῖς	ὠσὶν
	मोदअ-हो-गयअ	क्योनकि	-	ह्रिदय	-क	लोगोन-क	इन	और	-से	कअनोन-से
	G3975	G1063	G3588	G2588	G3588	G2992	G3778	G2532	G3588	G3775

βαρέως	ἤκουσαν,	καὶ	τοὺς	ὀφθαλμοὺς	αὐτῶν	ἐκάμμυσαν;	μή‿	ποτε	ἴδωσιν
मुशकिल-से	सुनअ	और	-को	अअनखोन-को	अपनि	मोओन्द-लिय	कहेएन	कभेए	देखेइन
G0917	G0191	G2532	G3588	G3788	G0846	G2576	G3361	G4219	G3708

τοῖς	ὀφθαλμοῖς,	καὶ	τοῖς	ὠσὶν	ἀκούσωσιν,	καὶ	τῇ	καρδίᾳ	συνῶσιν,	καὶ
-से	अअनखोन-से	और	-से	कअनोन-से	सुनेइन	और	-से	ह्रिदय-से	समझेइन	और
G3588	G3788	G2532	G3588	G3775	G0191	G2532	G3588	G2588	G4920	G2532

ἐπιστρέψωσιν,	καὶ	ἰάσομαι	αὐτούς.
फिरेइन	और	चनगअ-करोओन	उनहे
G1994	G2532	G2390	G0846

> क्योंकि इनके हृदय जड़ता से भर गये। इन्होंने अपने कान बन्द कर रखे हैं और अपनी आखें मूँद रखी हैं ताकि वे अपनी आँखों से कुछ भी न देखें और वे कान से कुछ न सुन पायें या कि अपने हृदय से कभी न समझें और कभी मेरी ओर मुड़कर आयें और जिससे मैं उनका उद्धार करूँ।’

16											
	ὑμῶν	δὲ	μακάριοι	οἱ	ὀφθαλμοὶ,	ὅτι	βλέπουσιν;	καὶ	τὰ	ὦτα	ὑμῶν,
	तुमहअरे	और	धन्य	–	अअनखेइन	कि	देखतेए-हैन	और	–	कअन	तुमहअरे
	G4771	G1161	G3107	G3588	G3788	G3754	G0991	G2532	G3588	G3775	G4771

ὅτι	ἀκούουσιν.
कि	सुन्ते-हैन
G3754	G0191

> किन्तु तुम्हारी आँखें और तुम्हारे कान भाग्यवान् हैं क्योंकि वे देख और सुन सकते हैं।

17										
	ἀμὴν	γὰρ	λέγω	ὑμῖν,	ὅτι	πολλοὶ	προφῆται	καὶ	δίκαιοι	ἐπεθύμησαν
	अअमेएन	क्योनकि	केहत-होओन	तुमसे	कि	बहुत	नबियोन-ने	और	धअरमियोन-ने	चअहअ
	G0281	G1063	G3004	G4771	G3754	G4183	G4396	G2532	G1342	G1937

ἰδεῖν	ἃ	βλέπετε,	καὶ	οὐκ	εἶδαν;	καὶ	ἀκοῦσαι	ἃ	ἀκούετε,	καὶ	οὐκ
देखन	जो	देखते-हो	और	नहिन	देखअ	और	सुन्नअ	जो	सुन्ते-हो	और	नहिन
G3708	G3739	G0991	G2532	G3756	G3708	G2532	G0191	G3739	G0191	G2532	G3756

ἤκουσαν.
सुनअ
G0191

> मैं तुमसे सत्य कहता हूँ, बहुत से भविष्यवक्ता और धर्मात्मा जिन बातों को देखना चाहते थे, उन्हें तुम देख रहे हो। वे उन्हें नहीं देख सके। और जिन बातों को वे सुनना चाहते थे, उन्हें तुम सुन रहे हो। वे उन्हें नहीं सुन सके।

18							
	Ὑμεῖς	οὖν	ἀκούσατε	τὴν	παραβολὴν	τοῦ	σπείραντος:
	तुम	तो	सुनो	-को	द्रिशतन्त-को	-के	बोने-वअले-के
	G4771	G3767	G0191	G3588	G3850	G3588	G4687

> “तो बीज बोने वाले की दृष्टान्त-कथा का अर्थ सुनो:

19										
	Παντὸς	ἀκούοντος	τὸν	λόγον	τῆς	βασιλείας	καὶ	μὴ	συνιέντος,	ἔρχεται
	हर-किसेए	सुन्ते-हुए	-को	वचन-को	-के	रअजय-के	और	नहिन	समझते-हुए	अअतअ-है
	G3956	G0191	G3588	G3056	G3588	G0932	G2532	G3361	G4920	G2064

ὁ	πονηρὸς	καὶ	ἁρπάζει	τὸ	ἐσπαρμένον	ἐν	τῇ	καρδίᾳ	αὐτοῦ.	οὗτός
–	बुरअ	और	छेएन-लेतअ-है	-को	बोयअ-हुअ	-मेइन	–	हिदय-मेइन	उस्के	यह
G3588	G4190	G2532	G0726	G3588	G4687	G1722	G3588	G2588	G0846	G3778

ἐστιν	ὁ	παρὰ	τὴν	ὁδὸν	σπαρείς.
है	–	-के-पअस	–	रअस्ते-के	बोयअ-हुअ
G1510	G3588	G3844	G3588	G3598	G4687

> “वह बीज जो राह के किनारे गिर पड़ा था, उसका अर्थ है कि जब कोई स्वर्ग के राज्य का सुसंदेश सुनता है और उसे समझता नहीं है तो दुष्ट आकर, उसके मन में जो उगा था, उसे उखाड़ ले जाता है।

20											
	ὁ	δὲ	ἐπὶ	τὰ	πετρώδη	σπαρείς,	οὗτός	ἐστιν	ὁ	τὸν	λόγον
	–	और	-पर	–	पतथरेएलि-जगह-पर	बोयअ-हुअ	यह	है	–	-को	वचन-को
	G3588	G1161	G1909	G3588	G4075	G4687	G3778	G1510	G3588	G3588	G3056

ἀκούων,	καὶ	εὐθὺς	μετὰ	χαρᾶς	λαμβάνων	αὐτόν;
सुन्ते-हुए	और	तुरन्त	-के-सअथ	खुशेए-के	लेते-हुए	उसे
G0191	G2532	G2112	G3326	G5479	G2983	G0846

> “वे बीज जो चट्टानी धरती पर गिरे थे, उनका अर्थ है वह व्यक्ति जो सुसंदेश सुनता है, उसे आनन्द के साथ तत्काल ग्रहण भी करता है।

21	οὐκ	ἔχει	δὲ	ῥίζαν	ἐν	ἑαυτῷ,	ἀλλὰ	πρόσκαιρός	ἐστιν;	γενομένης	δὲ
	नहिन	रखत	और	जद	–मेइन	अपने–मेइन	परन्तु	थोदेए–देर–क	है	होने–पर	और
	G3756	G2192	G1161	G4491	G1722	G1438	G0235	G4340	G1510	G1096	G1161

θλίψεως	ἢ	διωγμοῦ	διὰ	τὸν	λόγον,	εὐθὺς	σκανδαλίζεται.
क्लेश	यअ	सतअव	–के–कअरन	–के	वचन–के	तुरन्त	थोकर–खत–है
G2347	G2228	G1375	G1223	G3588	G3056	G2112	G4624

> किन्तु अपने भीतर उसकी जड़ें नहीं जमने देता, वह थोड़ी ही देर ठहर पाता है, जब सुसंदेश के कारण उस पर कष्ट और यातनाएँ आती हैं तो वह जल्दी ही डगमगा जाता है।

22	ὁ	δὲ	εἰς	τὰς	ἀκάνθας	σπαρείς,	οὗτός	ἐστιν	ὁ	τὸν	λόγον
	–	और	–मेइन	–के	कअन्तोन–मेइन	बोयअ–हुअ	यह	है	–	–को	वचन–को
	G3588	G1161	G1519	G3588	G0173	G4687	G3778	G1510	G3588	G3588	G3056

ἀκούων,	καὶ	ἡ	μέριμνα	τοῦ	αἰῶνος	‹τούτου›	καὶ	ἡ	ἀπάτη	τοῦ
सुन्ते–हुए	और	–	चिन्तअ	–कि	युग–कि	इस	और	–	धोख	–क
G0191	G2532	G3588	G3308	G3588	G0165	G3778	G2532	G3588	G0539	G3588

πλούτου	συμπνίγει	τὸν	λόγον,	καὶ	ἄκαρπος	γίνεται.
धन–क	दबअ–देतअ–है	–को	वचन–को	और	निशफल	हो–जअतअ–है
G4149	G4846	G3588	G3056	G2532	G0175	G1096

> “काँटों में गिरे बीज का अर्थ है, वह व्यक्ति जो सुसंदेश को सुनता तो है, पर संसार की चिंताएँ और धन का लोभ सुसंदेश को दबा देता है और वह व्यक्ति सफल नहीं हो पाता।

23	ὁ	δὲ	ἐπὶ	τὴν	καλὴν	γῆν	σπαρείς,	οὗτός	ἐστιν	ὁ	τὸν	λόγον
	–	और	–पर	–	अछेए	भुमि–पर	बोयअ–हुअ	यह	है	–	–को	वचन–को
	G3588	G1161	G1909	G3588	G2570	G1093	G4687	G3778	G1510	G3588	G3588	G3056

ἀκούων	καὶ	συνιείς;	ὃς	δὴ	καρποφορεῖ,	καὶ	ποιεῖ	ὃ	μὲν	ἑκατὸν,
सुन्ते–हुए	और	समझते–हुए	जो	सचमुच	फल–लअतअ–है	और	देतअ–है	कोएए	तो	सौ
G0191	G2532	G4920	G3739	G1211	G2592	G2532	G4160	G3739	G3303	G1540

ὃ	δὲ	ἑξήκοντα,	ὃ	δὲ	τριάκοντα.
कोएए	और	सअथ	कोएए	और	तेएस
G3739	G1161	G1835	G3739	G1161	G5144

> “अच्छी धरती पर गिरे बीज से अर्थ है, वह व्यक्ति जो सुसंदेश को सुनता है और समझता है। वह सफल होता है। वह सफलता बोये बीज से तीस गुना, साठ गुना या सौ गुना तक होती है।”

24	Ἄλλην	παραβολὴν	παρέθηκεν	αὐτοῖς,	λέγων,	Ὡμοιώθη	ἡ	βασιλεία	τῶν
	दोओसरअ	द्रिशतन्त	रखअ	उनके–अअगे	केहते–हुए	समअन–है	–	रअजय	–के
	G0243	G3850	G3908	G0846	G3004	G3666	G3588	G0932	G3588

οὐρανῶν,	ἀνθρώπῳ	σπείραντι	καλὸν	σπέρμα	ἐν	τῷ	ἀγρῷ	αὐτοῦ;
स्वरगोन–क	मनुश्य–के	बोने–वअले	अछअ	बेएज	–मेइन	–	खेत–मेइन	अपने
G3772	G0444	G4687	G2570	G4690	G1722	G3588	G0068	G0846

> यीशु ने उनके सामने एक और दृष्टान्त कथा रखी: “स्वर्ग का राज्य उस व्यक्ति के समान है जिसने अपने खेत में अच्छे बीज बोये थे।

25	ἐν	δὲ	τῷ	καθεύδειν	τοὺς	ἀνθρώπους,	ἦλθεν	αὐτοῦ	ὁ	ἐχθρὸς	καὶ
	–मेइन	और	–	सोते–हुए	–के	मनुश्योन–के	अअयअ	उस्क	–	शत्रु	और
	G1722	G1161	G3588	G2518	G3588	G0444	G2064	G0846	G3588	G2190	G2532

ἐπέσπειρεν	ζιζάνια	ἀνὰ	μέσον	τοῦ	σίτου,	καὶ	ἀπῆλθεν.
बोयअ	जनग्लेए–बेएज	–के	बेएच–मेइन	–के	गेहोओन–के	और	चलअ–गय
G4687	G2215	G0303	G3319	G3588	G4621	G2532	G0565

> पर जब लोग सो रहे थे, उस व्यक्ति का शत्रु आया और गेहूँ के बीच जंगली बीज बोया गया।

26 ὅτε δὲ ἐβλάστησεν ὁ χόρτος, καὶ καρπὸν ἐποίησεν, τότε ἐφάνη
जब और अनकुरअ – घअस और फल दिय तब दिखअयेए-दिय
G3753 G1161 G0985 G3588 G5528 G2532 G2590 G4160 G5119 G5316

καὶ τὰ ζιζάνια.
और – जनग्लेए-बेएज
G2532 G3588 G2215

> जब गेहूँ में अंकुर निकले और उस पर बालें आयीं तो खरपतवार भी दिखने लगी।

27 προσελθόντες, δὲ οἱ δοῦλοι τοῦ οἰκοδεσπότου εἶπον αὐτῷ, Κύριε,
अअकर और – दअअसोन-ने -के ग्रिहसवअमि-के कह उसे प्रभु
G4334 G1161 G3588 G1401 G3588 G3617 G3004 G0846 G2962

οὐχὶ καλὸν σπέρμα ἔσπειρας ἐν τῷ σῷ ἀγρῷ? πόθεν οὖν ἔχει
क्यअ-नहिन अछअ बेएज बोयअ-थअ -मेइन – अपने खेत-मेइन कहअन-से तो है
G3780 G2570 G4690 G4687 G1722 G3588 G4674 G0068 G4159 G3767 G2192

ζιζάνια?
जनग्लेए-बेएज
G2215

> तब खेत के मालिक के पास आकर उसके दासों ने उससे कहा, 'मालिक, तूने तो खेत में अच्छा बीज बोया था, बोया था ना? फिर ये खरपतवार कहाँ से आई?'

28 ὁ δὲ ἔφη αὐτοῖς, Ἐχθρὸς, ἄνθρωπος τοῦτο ἐποίησεν. οἱ δὲ δοῦλοι
– और कह उनसे शत्रु मनुश्य-ने यह कियअ – और दअस
G3588 G1161 G5346 G0846 G2190 G0444 G3778 G4160 G3588 G1161 G1401

αὐτῷ, λέγουσιν Θέλεις οὖν ἀπελθόντες, συλλέξωμεν αὐτά?
उसे केहते-हैन चअहत-है तो जअकर इकथ्थअ-करेइन उनहे
G0846 G3004 G2309 G3767 G0565 G4816 G0846

> "तब उसने उनसे कहा, 'यह किसी शत्रु का काम है।' "उसके दासों ने उससे पूछा, 'क्या तू चाहता है कि हम जाकर खरपतवार उखाड़ दें?'

29 ὁ δέ φησιν, Οὔ; μή ποτε συλλέγοντες τὰ ζιζάνια, ἐκριζώσητε
– और कह नहिन कहेएन कभेए इकथ्थअ-करते-हुए -को जनग्लेए-बेएज-को उखअद-दो
G3588 G1161 G5346 G3756 G3361 G4219 G4816 G3588 G2215 G1610

ἅμα αὐτοῖς τὸν σῖτον.
-के-सअथ उनके -को गेहोअन
G0260 G0846 G3588 G4621

> "वह बोला, 'नहीं, क्योंकि जब तुम खरपतवार उखाड़ोगे तो उनके साथ, तुम गेहूँ भी उखाड़ दोगे।

30 ἄφετε συναυξάνεσθαι ἀμφότερα ἕως τοῦ θερισμοῦ; καὶ ἐν καιρῷ τοῦ
छोद्दो सअथ-बधने-दो दोनोन-को -तक -के कअतने-तक और -मेइन समय-मेइन -के
G0863 G4885 G0297 G2193 G3588 G2326 G2532 G1722 G2540 G3588

θερισμοῦ ἐρῶ τοῖς θερισταῖς, Συλλέξατε πρῶτον τὰ ζιζάνια, καὶ
कअतने-के कहोओनगअ -को कअतने-वअलोन-को इकथ्थअ-करो पहले -को जनग्लेए-बेएज-को और
G2326 G2046 G3588 G2327 G4816 G4412 G3588 G2215 G2532

δήσατε αὐτὰ εἰς δέσμας πρὸς τὸ κατακαῦσαι αὐτά; τὸν δὲ σῖτον,
बअनधो उनहे -मेइन गुछहोन-मेइन -के-लिये -के जलअने-के उनहे -को और गेहोअन-को
G1210 G0846 G1519 G1197 G4314 G3588 G2618 G0846 G3588 G1161 G4621

συναγάγετε εἰς τὴν ἀποθήκην μου.
इकथ्थअ-करो -मेइन – कोथअर-मेइन मेरे
G4863 G1519 G3588 G0596 G1473

> जब तक फसल पके दोनों को साथ-साथ बढने दो, फिर कटाई के समय में फसल काटने वालों से कहूँगा कि पहले खरपतवार की पुलियाँ बना कर उन्हें जला दो, और फिर गेहूँ को बटोर कर मेरे खते में रख दो।'"

31 Ἄλλην παραβολὴν παρέθηκεν αὐτοῖς, λέγων, Ὁμοία ἐστὶν ἡ βασιλεία τῶν
दोओस्रअ द्रिशतन्त रखअ उनके-अअगे केहते-हुए समअन है – रअजय -के
G0243 G3850 G3908 G0846 G3004 G3664 G1510 G3588 G0932 G3588

οὐρανῶν κόκκῳ σινάπεως, ὃν λαβὼν, ἄνθρωπος ἔσπειρεν ἐν τῷ ἀγρῷ
स्वरगोन-क दअने-के रअयेए-के जिसे लेकर मनुश्य-ने बोयअ -मेइन – खेत-मेइन
G3772 G2848 G4615 G3739 G2983 G0444 G4687 G1722 G3588 G0068

αὐτοῦ;
अपने
G0846

> यीशु ने उनके सामने और दृष्टान्त-कथाएँ रखीं: “स्वर्ग का राज्य राई के छोटे से बीज के समान होता है, जिसे किसी ने लेकर खेत में बो दिया हो।

32 ὃ μικρότερον μέν ἐστιν πάντων τῶν σπερμάτων; ὅταν δὲ αὐξηθῇ,
जो छोत तो है सब-से -के बेएजोन-से जब और बधत-है
G3739 G3398 G3303 G1510 G3956 G3588 G4690 G3752 G1161 G0837

μεῖζον τῶν λαχάνων ἐστὶν, καὶ γίνεται δένδρον, ὥστε ἐλθεῖν τὰ πετεινὰ
बद -से सबजियोन-से है और हो-जअतअ-है पेद इतन-कि अअते-हैन – पकशेए
G3173 G3588 G3001 G1510 G2532 G1096 G1186 G5620 G2064 G3588 G4071

τοῦ οὐρανοῦ καὶ κατασκηνοῦν ἐν τοῖς κλάδοις αὐτοῦ.
-के अअकअश-के और बस्तेए-करते-हैन -मेइन -कि दअलियोन-मेइन उस्कि
G3588 G3772 G2532 G2681 G1722 G3588 G2798 G0846

> यह बीज छोटे से छोटा होता है किन्तु बड़ा होने पर यह बाग के सभी पौधों से बड़ा हो जाता है। यह पेड़ बनता है और आकाश के पक्षी आकर इसकी शाखाओं पर शरण लेते हैं।”

33 Ἄλλην παραβολὴν ἐλάλησεν αὐτοῖς: Ὁμοία ἐστὶν ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν
दोओस्रअ द्रिशतन्त कह उनसे समअन है – रअजय -के स्वरगोन-क
G0243 G3850 G2980 G0846 G3664 G1510 G3588 G0932 G3588 G3772

ζύμῃ, ἣν λαβοῦσα, γυνὴ ἐνέκρυψεν εἰς ἀλεύρου σάτα τρία, ἕως οὗ
खमेएर-के जिसे लेकर स्त्रेए-ने छिपअयअ -मेइन अअत-के तेएन-पैमन तेएन जब-तक –
G2219 G3739 G2983 G1135 G1470 G1519 G0224 G4568 G5140 G2193 G3739

ἐζυμώθη ὅλον.
खमेएर-हो-गयअ सअरअ
G2220 G3650

> उसने उन्हें एक दृष्टान्त कथा और कही: “स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है, जिसे किसी स्त्री ने तीन बार आटे में मिलाया और तब तक उसे रख छोड़ा जब तक वह सब का सब खमीर नहीं हो गया।”

34 Ταῦτα πάντα ἐλάλησεν ὁ Ἰησοῦς ἐν παραβολαῖς τοῖς ὄχλοις, καὶ
ये सब कह – इ□सोउस-ने -मेइन द्रिशतन्तोन-मेइन -को भेएदोन-को और
G3778 G3956 G2980 G3588 G2424 G1722 G3850 G3588 G3793 G2532

χωρὶς παραβολῆς οὐδὲν ἐλάλει αὐτοῖς;
बिनअ द्रिशतन्त-के कुछ-नहिन कह उनसे
G5565 G3850 G3762 G2980 G0846

> यीशु ने लोगों से यह सब कुछ दृष्टान्त-कथाओं के द्वारा कहा। वास्तव में वह उनसे दृष्टान्त-कथाओं के बिना कुछ भी नहीं कहता था।

35 ὅπως πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν διὰ τοῦ προφήτου, λέγοντος, Ἀνοίξω ἐν
तअकि पोओर-हो – कह-हुअ -के-द्वअर – नबि-के केहते-हुए खोलुनग -मेइन
G3704 G4137 G3588 G2046 G1223 G3588 G4396 G3004 G0455 G1722

παραβολαῖς τὸ στόμα μου; ἐρεύξομαι κεκρυμμένα ἀπὸ καταβολῆς [κόσμου].
द्रिशतन्तोन-मेइन -को मुनह-को अपनअ निकलोओनगअ छिपेए-हुइ -से नेएनव-से सनसअर-कि
G3850 G3588 G4750 G1473 G2044 G2928 G0575 G2602 G2889

> ऐसा इसलिये था कि परमेश्वर ने भविष्यवक्ता के द्वारा जो कुछ कहा था वह पूरा होः परमेश्वर ने कहा, “मैं दृष्टान्त कथाओं के द्वारा अपना मुँह खोलूँगा। सृष्टि के आदिकाल से जो बातें छिपी रही हैं, उन्हें उजागर करूँगा।”

36	Τότε	ἀφεὶς	τοὺς	ὄχλους,	ἦλθεν	εἰς	τὴν	οἰκίαν.	Καὶ	προσῆλθον	αὐτῷ
	तब	छोदकर	–को	भेएदोन–को	अअयअ	–मेइन	–	घर–मेइन	और	अअये	उस्के–पअस
	G5119	G0863	G3588	G3793	G2064	G1519	G3588	G3614	G2532	G4334	G0846

οἱ	μαθηταὶ	αὐτοῦ,	λέγοντες,	Διασάφησον	ἡμῖν	τὴν	παραβολὴν	τῶν
–	चेले	उस्के	केहते–हुए	समझअ	हमेइन	–को	द्रिशतन्त–को	–के
G3588	G3101	G0846	G3004	G1285	G1473	G3588	G3850	G3588

ζιζανίων	τοῦ	ἀγροῦ.
जनग्लेए–बेएज–के	–के	खेत–के
G2215	G3588	G0068

> फिर यीशु उस भीड़ को विदा करके घर चला आया। तब उसके शिष्यों ने आकर उससे कहा, “खेत के खरपतवार के दृष्टान्त का अर्थ हमें समझा।”

37	ὁ	δὲ	ἀποκριθεὶς	εἶπεν,	Ὁ	σπείρων	τὸ	καλὸν	σπέρμα	ἐστὶν	ὁ
	–	और	उत्तर–देकर	कह	–	बोने–वअलअ	–के	अछअ–के	बेएज	है	–
	G3588	G1161	G0611	G3004	G3588	G4687	G3588	G2570	G4690	G1510	G3588

Υἱὸς	τοῦ	ἀνθρώπου;
पुत्र	–क	मनुश्य–क
G5207	G3588	G0444

> उत्तर में यीशु बोला, “जिसने उत्तम बीज बोया था, वह है मनुष्य का पुत्र।

38	ὁ	δὲ	ἀγρός	ἐστιν	ὁ	κόσμος;	τὸ	δὲ	καλὸν	σπέρμα,	οὗτοί	εἰσιν
	–	और	खेत	है	–	सनसअर	–	और	अछअ–के	बेएज	ये	हैन
	G3588	G1161	G0068	G1510	G3588	G2889	G3588	G1161	G2570	G4690	G3778	G1510

οἱ	υἱοὶ	τῆς	βασιλείας;	τὰ	δὲ	ζιζάνιά	εἰσιν	οἱ	υἱοὶ	τοῦ	πονηροῦ;
–	पुत्र	–के	रअजय–के	–	और	जनग्लेए–बेएज	हैन	–	पुत्र	–के	बुरे–के
G3588	G5207	G3588	G0932	G3588	G1161	G2215	G1510	G3588	G5207	G3588	G4190

> और खेत यह संसार है। अच्छे बीज का अर्थ है, स्वर्ग के राज्य के लोग। खरपतवार का अर्थ है, वे व्यक्ति जो शैतान की संतान हैं।

39	ὁ	δὲ	ἐχθρὸς	ὁ	σπείρας	αὐτά	ἐστιν	ὁ	διάβολος;	ὁ	δὲ
	–	और	शत्रु	–	बोने–वअलअ	उनहे	है	–	शैतअन	–	और
	G3588	G1161	G2190	G3588	G4687	G0846	G1510	G3588	G1228	G3588	G1161

θερισμὸς	συντέλεια	αἰῶνός	ἐστιν,	οἱ	δὲ	θερισταὶ	ἄγγελοί	εἰσιν.
कअतन	अन्त	युग–क	है	–	और	कअतने–वअले	सवरग–दोओत	हैन
G2326	G4930	G0165	G1510	G3588	G1161	G2327	G0032	G1510

> वह शत्रु जिसने खरपतवार बीजे थे, शैतान है और कटाई का समय है, इस जगत का अंत और कटाई करने वाले हैं स्वर्गदूत।

40	ὥσπερ	οὖν	συλλέγεται	τὰ	ζιζάνια,	καὶ	πυρὶ	κατακαίεται,	οὕτως
	जैसे	तो	इकथथअ–किय–जअतअ–है	–	जनग्लेए–बेएज	और	अअग–मेइन	जलअय–जअतअ–है	वैसे
	G5618	G3767	G4816	G3588	G2215	G2532	G4442	G2618	G3779

ἔσται	ἐν	τῇ	συντελείᾳ	τοῦ	αἰῶνος.
होगअ	–मेइन	–के	अन्त–मेइन	–के	युग–के
G1510	G1722	G3588	G4930	G3588	G0165

> “ठीक वैसे ही जैसे खरपतवार को इकट्ठा करके आग में जला दिया गया, वैसे ही सृष्टि के अंत में होगा।

41

ἀποστελεῖ	ὁ	Υἱὸς	τοῦ	ἀνθρώπου	τοὺς	ἀγγέλους	αὐτοῦ,	καὶ
भेजेगअ	–	पुत्र	–क	मनुश्य–क	–को	सवरग–दोओतोन–को	अपने	और
G0649	G3588	G5207	G3588	G0444	G3588	G0032	G0846	G2532

συλλέξουσιν	ἐκ	τῆς	βασιλείας	αὐτοῦ	πάντα	τὰ	σκάνδαλα	καὶ	τοὺς
इकथथअ–करेनगे	–से	–के	रअजय–से	उस्के	सब	–	थोकर–कि–चेएज़ेइन	और	–को
G4816	G1537	G3588	G0932	G0846	G3956	G3588	G4625	G2532	G3588

ποιοῦντας	τὴν	ἀνομίαν,
करने–वअलोन–को	–को	अधरम
G4160	G3588	G0458

> मनुष्य का पुत्र अपने दूतों को भेजेगा और वे उसके राज्य से सभी पापियों को और उनको, जो लोगों को पाप के लिये प्रेरित करते हैं,

42

καὶ	βαλοῦσιν	αὐτοὺς	εἰς	τὴν	κάμινον	τοῦ	πυρός;	ἐκεῖ	ἔσται	ὁ
और	दअलेनगे	उनहे	–मेइन	–	भत्ति–मेइन	–कि	अअग–कि	वहअन	होगअ	–
G2532	G0906	G0846	G1519	G3588	G2575	G3588	G4442	G1563	G1510	G3588

κλαυθμὸς	καὶ	ὁ	βρυγμὸς	τῶν	ὀδόντων.
रोनअ	और	–	दअन्त–पेएस्नअ	–के	दअन्तोन–क
G2805	G2532	G3588	G1030	G3588	G3599

> इकट्ठा करके धधकते भाड़ में झोंक देंगे जहाँ बस दाँत पीसना और रोना ही रोना होगा।

43

τότε	οἱ	δίκαιοι	ἐκλάμψουσιν	ὡς	ὁ	ἥλιος	ἐν	τῇ	βασιλείᾳ	τοῦ
तब	–	धरमेए	चमकेनगे	जैसे	–	सोओरज	–मेइन	–के	रअजय–मेइन	–के
G5119	G3588	G1342	G1584	G5613	G3588	G2246	G1722	G3588	G0932	G3588

Πατρὸς	αὐτῶν.	ὁ	ἔχων	ὦτα,	ἀκουέτω.
पित–के	उनके	–	जो–रखत–है	कअन	सुने
G3962	G0846	G3588	G2192	G3775	G0191

> तब धर्मी अपने परम पिता के राज्य में सूरज की तरह चमकेंगे। जो सुन सकता है, सुन ले!

44

Ὁμοία	ἐστὶν	ἡ	βασιλεία	τῶν	οὐρανῶν	θησαυρῷ	κεκρυμμένῳ	ἐν	τῷ
समअन	है	–	रअजय	–के	स्वरगोन–क	खज़अने–के	छिपे–हुए	–मेइन	–
G3664	G1510	G3588	G0932	G3588	G3772	G2344	G2928	G1722	G3588

ἀγρῷ,	ὃν,	εὑρὼν,	ἄνθρωπος	ἔκρυψεν,	καὶ	ἀπὸ	τῆς	χαρᾶς	αὐτοῦ	ὑπάγει,
खेत–मेइन	जिसे	पअकर	मनुश्य–ने	छिपअयअ	और	–से	–कि	खुशेए–से	उस्कि	जअतअ–है
G0068	G3739	G2147	G0444	G2928	G2532	G0575	G3588	G5479	G0846	G5217

καὶ	πωλεῖ	‹πάντα›	ὅσα	ἔχει,	καὶ	ἀγοράζει	τὸν	ἀγρὸν	ἐκεῖνον.
और	बेचतअ–है	सब	जितनअ	रखत–है	और	खरेएदतअ–है	–को	खेत–को	उस
G2532	G4453	G3956	G3745	G2192	G2532	G0059	G3588	G0068	G1565

> “स्वर्ग का राज्य खेत में गड़े धन जैसा है। जिसे किसी मनुष्य ने पाया और फिर उसे वहीं गाड़ दिया। वह इतना प्रसन्न हुआ कि उसने जो कुछ उसके पास था, जाकर बेच दिया और वह खेत मोल ले लिया।

45

Πάλιν	ὁμοία	ἐστὶν	ἡ	βασιλεία	τῶν	οὐρανῶν,	‹ἀνθρώπῳ›,	ἐμπόρῳ,
फिर	समअन	है	–	रअजय	–के	स्वरगोन–क	मनुश्य–के	व्यअपअरेए–के
G3825	G3664	G1510	G3588	G0932	G3588	G3772	G0444	G1713

ζητοῦντι	καλοὺς	μαργαρίτας;
धोओनधतअ–हुअ	अछहे	मोति
G2212	G2570	G3135

> “स्वर्ग का राज्य ऐसे व्यापारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में हो।

46								
εὑρὼν	δὲ	ἕνα	πολύτιμον	μαργαρίτην,	ἀπελθὼν,	πέπρακεν	πάντα	ὅσα
पआकर	और	एक	बहुमुलय	मोतेए	जआकर	बेच-दियअ	सब	जितनअ
G2147	G1161	G1520	G4186	G3135	G0565	G4097	G3956	G3745

εἶχεν,	καὶ	ἠγόρασεν	αὐτόν.
रखत-थअ	और	खरेएदअ	उसे
G2192	G2532	G0059	G0846

> जब उसे एक अनमोल मोती मिला तो जाकर जो कुछ उसके पास था, उसने बेच डाला, और मोती मोल ले लिया।

47										
Πάλιν	ὁμοία	ἐστὶν	ἡ	βασιλεία	τῶν	οὐρανῶν	σαγήνῃ,	βληθείσῃ	εἰς	τὴν
फिर	समअन	है	–	रअजय	-के	स्वरगोन-क	जअल-के	दअलेए-हुइ	-मेइन	–
G3825	G3664	G1510	G3588	G0932	G3588	G3772	G4522	G0906	G1519	G3588

θάλασσαν,	καὶ	ἐκ	παντὸς	γένους	συναγαγούσῃ;
समुद्र-मेइन	और	-से	हर	प्रकर-से	इकथथअ-करने-वअले
G2281	G2532	G1537	G3956	G1085	G4863

> “स्वर्ग का राज्य मछली पकड़ने के लिए झील में फेंके गए एक जाल के समान भी है। जिसमें तरह तरह की मछलियाँ पकड़ी गयीं।

48								
ἣν,	ὅτε	ἐπληρώθη,	ἀναβιβάσαντες	ἐπὶ	τὸν	αἰγιαλὸν,	καὶ	καθίσαντες,
जिसे	जब	भर-गयेए	खेनचकर	-पर	-के	किनरे-पर	और	बैथकर
G3739	G3753	G4137	G0307	G1909	G3588	G0123	G2532	G2523

συνέλεξαν	τὰ	καλὰ	εἰς	ἄγγη,	τὰ	δὲ	σαπρὰ	ἔξω	ἔβαλον.
इकथथअ-किय	-को	अछेए-को	-मेइन	बरतनोन-मेइन	-को	और	बुरेए-को	बअहर	फेनकअ
G4816	G3588	G2570	G1519	G0030	G3588	G1161	G4550	G1854	G0906

> जब वह जाल पूरा भर गया तो उसे किनारे पर खींच लिया गया। और वहाँ बैठ कर अच्छी मछलियाँ छाँट कर टोकरियों में भर ली गयीं किन्तु बेकार मछलियाँ फेंक दी गयीं।

49									
οὕτως	ἔσται	ἐν	τῇ	συντελείᾳ	τοῦ	αἰῶνος:	ἐξελεύσονται	οἱ	ἄγγελοι,
वैसे	होगअ	-मेइन	-के	अन्त-मेइन	-के	युग-के	निक्लेनगे	–	सवरग-दोओत
G3779	G1510	G1722	G3588	G4930	G3588	G0165	G1831	G3588	G0032

καὶ	ἀφοριοῦσιν	τοὺς	πονηροὺς	ἐκ	μέσου	τῶν	δικαίων,
और	अलग-करेनगे	-को	बुरोन-को	-से	बेएच-से	-के	धअरमियोन-के
G2532	G0873	G3588	G4190	G1537	G3319	G3588	G1342

> सृष्टि के अन्त में ऐसा ही होगा। स्वर्गदूत आयेंगे और धर्मियों में से पापियों को छाँट कर

50										
καὶ	βαλοῦσιν	αὐτοὺς	εἰς	τὴν	κάμινον	τοῦ	πυρός.	ἐκεῖ	ἔσται	ὁ
और	दअलेनगे	उनहे	-मेइन	–	भत्ति-मेइन	-कि	अअग-कि	वहअन	होगअ	–
G2532	G0906	G0846	G1519	G3588	G2575	G3588	G4442	G1563	G1510	G3588

κλαυθμὸς	καὶ	ὁ	βρυγμὸς	τῶν	ὀδόντων.
रोनअ	और	–	दअन्त-पेएस्नअ	-के	दअन्तोन-क
G2805	G2532	G3588	G1030	G3588	G3599

> धधकते भाड़ में झोंक देंगे जहाँ बस रोना और दाँत पीसना होगा।”

51					
Συνήκατε	ταῦτα	πάντα?	λέγουσιν	αὐτῷ,	Ναί,
समझे	ये	सब	केहते-हैन	उसे	हअन
G4920	G3778	G3956	G3004	G0846	G3483

> यीशु ने अपने शिष्यों से पूछा, “तुम ये सब बातें समझते हो?” उन्होंने उत्तर दिया, “हाँ!”

52 ὁ δὲ εἶπεν αὐτοῖς, Διὰ τοῦτο, πᾶς γραμματεὺς μαθητευθεὶς τῇ
– और कह उनसे इस-कअरन इस हर शअस्त्रेए चेलअ-बनअ-हुअ -मेइन
G3588 G1161 G3004 G0846 G1223 G3778 G3956 G1122 G3100 G3588

βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν ὅμοιός ἐστιν ἀνθρώπῳ, οἰκοδεσπότῃ, ὅστις ἐκβάλλει
रअजय-मेइन -के स्वरगोन-के समअन है मनुश्य-के ग्रिहसवअमि-के जो निकलतअ-है
G0932 G3588 G3772 G3664 G1510 G0444 G3617 G3748 G1544

ἐκ τοῦ θησαυροῦ αὐτοῦ καινὰ καὶ παλαιά.
-से -के भन्दअर-से अपने नये और पुरअने
G1537 G3588 G2344 G0846 G2537 G2532 G3820

> यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, “देखो, इसीलिये हर धर्मशास्त्री जो परमेश्वर के राज्य को जानता है, एक ऐसे गृहस्वामी के समान है, जो अपने कठोर से नई-पुरानी वस्तुओं को बाहर निकालता है।”

53 Καὶ ἐγένετο, ὅτε ἐτέλεσεν ὁ Ἰησοῦς τὰς παραβολὰς ταύτας, μετῆρεν
और हुअ जब समअप्त-किय – इ□सोउस-ने -को द्रिशतन्तोन-को इन चलअ-गय
G2532 G1096 G3753 G5055 G3588 G2424 G3588 G3850 G3778 G3332

ἐκεῖθεν;
वहअन-से
G1564

> इन दृष्टान्त कथाओं को समाप्त करके वह वहाँ से चल दिया।

54 καὶ ἐλθὼν εἰς τὴν πατρίδα αὐτοῦ, ἐδίδασκεν αὐτοὺς ἐν τῇ
और अअकर -मेइन – वतनमेइन अपने सिखअतअ-थअ उनहे -मेइन –
G2532 G2064 G1519 G3588 G3968 G0846 G1321 G0846 G1722 G3588

συναγωγῇ αὐτῶν, ὥστε ἐκπλήσσεσθαι αὐτοὺς καὶ λέγειν, Πόθεν τούτῳ ἡ
अअरधनलय-मेइन उनके इतन-कि चकित-हो-गये वे और केहने-लगे कहअन-से इसे –
G4864 G0846 G5620 G1605 G0846 G2532 G3004 G4159 G3778 G3588

σοφία αὕτη καὶ αἱ δυνάμεις?
बुदधि यह और – सअमरथय-के-कअरय
G4678 G3778 G2532 G3588 G1411

> और अपने देश आ गया। फिर उसने यहूदी आराधनालयों में उपदेश देना आरम्भ कर दिया। इससे हर कोई अचरज में पड़ कर कहने लगा, “इसे ऐसी सूझबूझ और चमत्कारी शक्ति कहाँ से मिली?

55 οὐχ οὗτός ἐστιν ὁ τοῦ τέκτονος? υἱός οὐχ ἡ μήτηρ αὐτοῦ
क्यअ-नहिन यह है – -क बधएए-क पुत्र क्यअ-नहिन – मअतअ इस्कि
G3756 G3778 G1510 G3588 G3588 G5045 G5207 G3756 G3588 G3384 G0846

λέγεται Μαριὰμ? καὶ οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ Ἰάκωβος καὶ Ἰωσὴφ καὶ Σίμων
कहलअतेए-है मरिअम और – भएए इस्के इअक□बोस और इ□स□फ और सिम□न
G3004 G3137 G2532 G3588 G0080 G0846 G2385 G2532 G2501 G2532 G4613

καὶ Ἰούδας?
और इओउदस
G2532 G2455

> क्या यह वही बढ़ई का बेटा नहीं है? क्या इसकी माँ का नाम मरियम नहीं है? याक़ूब, यूसुफ, शमौन और यहूदा इसी के तो भाई हैं न?

56 καὶ αἱ ἀδελφαὶ αὐτοῦ οὐχὶ πᾶσαι πρὸς ἡμᾶς εἰσιν? πόθεν οὖν
और – बहिनेइन इस्कि क्यअ-नहिन सब -के-पअस हमअरे हैन कहअन-से तो
G2532 G3588 G0079 G0846 G3780 G3956 G4314 G1473 G1510 G4159 G3767

τούτῳ ταῦτα πάντα?
इसे ये सब
G3778 G3778 G3956

> क्या इसकी सभी बहनें हमारे ही बीच नहीं हैं? तो फिर उसे यह सब कहाँ से मिला?”

57	καὶ	ἐσκανδαλίζοντο	ἐν	αὐτῷ.	ὁ	δὲ	Ἰησοῦς	εἶπεν	αὐτοῖς,	Οὐκ	ἔστιν
	और	थोकर-खअ-रहे-थे	-मेइन	उस-मेइन	-	और	इ□सोउस-ने	कह	उनसे	नहिन	है
	G2532	G4624	G1722	G0846	G3588	G1161	G2424	G3004	G0846	G3756	G1510

προφήτης	ἄτιμος,	εἰ	μὴ	ἐν	τῇ	πατρίδι,	καὶ	ἐν	τῇ	οἰκίᾳ
नबि	बिनअ-सम्मअन-क	सिवअय	-के	-मेइन	-	वतन-मेइन	और	-मेइन	-	घर-मेइन
G4396	G0820	G1487	G3361	G1722	G3588	G3968	G2532	G1722	G3588	G3614

αὐτοῦ.
अपने
G0846

> सो उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया। फिर यीशु ने कहा, “किसी नबी का अपने गाँव और घर को छोड़ कर, सब आदर करते हैं।”

58	καὶ	οὐκ	ἐποίησεν	ἐκεῖ	δυνάμεις	πολλὰς,	διὰ	τὴν	ἀπιστίαν
	और	नहिन	किये	वहअन	सअमरथय-के-कअरय	बहुत	-के-कअरन	-कि	अविश्वअस-कि
	G2532	G3756	G4160	G1563	G1411	G4183	G1223	G3588	G0570

αὐτῶν.
उनके
G0846

> सो उनके अविश्वास के कारण उसने वहाँ अधिक आश्चर्य कर्म नहीं किये।